सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

जीवन की लम्बाई नहीं ,गहराई मायने रखती है।
-राल्फ वाल्डो इमर्सन

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 302 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 10 दिसम्बर, 2025

टी20 में अपने न्यूनतम स्कोर पर... 7
महाराष्ट्र में बयान पर बयान उठा... 3
निर्वाचन आयोग अंतरात्मा की... 2

शिंदे को बंद कमरे में मनाने की कोशिश...नाकाम!

शिंदे की शर्तें, पसीना-पसीना फडणवीस

- निकाय चुनाव में गठबंधन नहीं गुट चलता है बॉस
- महायुति में तुरपाई... निकाय चुनाव की अंगड़ाई
- शिंदे की सेना अंदर से हो रही थी खोखली
- शिंदे का अल्टीमेटम अगर मेरी सेना बिखर गयी तो बीजेपी को फायदा नहीं फटा हुआ गठबंधन मिलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। खबर महाराष्ट्र से जहां शिंदे–फडणवीस की सास–बहू टाइप लड़ाई से तंग आकर हाइकमान ने दोनों को स्वंय सारे गिले शिकवे दूर करने का अल्टीमेटम दे दिया था। बीती मध्यरात्रि तक दोनो नेताओं ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक चली इस बातचीत में शिंदे की शर्तों से सीएम फडणवीस के माथे पर कई बार पसीना आया।

दरअसल महाराष्ट्र में निकाय चुनाव है और एनडीए के प्रमुख राजनतिक पार्टनर एकनाथ शिंदे फडणवीस सरकार से बेहद खफा चल रहे थे। कैबिनेट बैठक से किनारा और दिल्ली दरबार में हाजरी ही उनकी दिनचर्या हो चली थी। उनकी प्रमुख चिंता थी कि बीजेपी महाराष्ट्र में शिंदे की सेना को खोखला कर रही है। उनकी सुनी नहीं जा रही और उनके नेताओं को बीजेपी ज्वाइन करा कर पॉवर बैलेंस करने की भीतरखाने से साजिश रची जा रही है। इन्ही सबके चलते शिंदे ने निकाय चुनाव में एनडीए से हाथ खींच लिये थे और अपनी दाढ़ी में सस्पेंस की मुस्कान छुपा कर एकाला चल दिये थे। बीती रात की बैठक में थ्रिल भी था और संस्पेंस भी। हारर इतना की फडणवीस ने तो हाथ ही खड़े कर दिये थे और एकनाथ शिंदे को सीएम साहब कहकर बुला रहे थे। उनकी बस एक ही कोशिश थी कि शिंदे मान जाएं लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शिंदे नहीं माने और रहस्मयी मुस्कान के साथ आगे की बातचीत के रास्ते खोलकर चल दिये। हां शिंदे ने फडणवीस के सामने कुछ ऐसी शर्ते रखी हैं जो रेड कारपेट तो कतई नहीं है हां कांटों से बनी चटाई जरूर दिखती है।

शर्त नंबर 1– मेरे विधायक/कार्यकर्ता बीजेपी में नहीं कूदेंगे।

शर्त नंबर 2– निकाय में बराबरी का दम वर्ना गठबंधन बेदम।

शर्त नंबर 3– शिवसेना का सम्मान नहीं तो मैं फिर वही करूंगा।

निकाय चुनाव असली महाभारत

मराठी राजनीति का घमासान अब शुरू होगा। मुम्बई से लेकर कल्याण, डोंगिवली, थाणे से लेकर पुणे, पिंपरी तक स्थानीय नेता अपनी तलवारों को धार दे रहे हैं। क्योंकि निकाय चुनाव में गठबंधन नहीं चलता गुट चलता है। टिकट मिलेगा तो नेता मुस्काएगा। टिकट कटेगा तो नेता बोलेगा मैं कौन सा शिंदे से कम हूं? मैं भी जा सकता हूं। हालांकि बंद कमरे में महायुति की तुरपाई होने की खबरें बाहर आयीं हैं लेकिन तुरपाई का धागा इतना कमजोर है कि जरा से दबाव की आहट में ही टूट जाएगा। महाराष्ट्र राजनीति को करीब से देखने वाले कह रहे है कि ये पैचअप नहीं निकाय चुनाव के लिए पट्टी बांधना जैसा है लेकिन अंदर ही अंदर जख्म रिस रहे हैं और खून बाहर आ रहा है। और जनता कह रही है कि इवेंट खत्म हुआ महाराज अब असली तमाशा शुरू होगा।

शिंदे सेना के कार्यकर्ताओं का शिवसेना से तेजी से मोहभंग

दरअस्ल शिंदे सेना के कार्यकर्ताओं का शिवसेना से तेजी से मोहभंग हो रहा है। शिंदे पहले की तरह ताकतवर नहीं रहे। उन्हें फैसले पूछ कर लेने पड़ रहे हैं। ऐसे में किसी कार्यकर्ता का काम होता है किसी का नहीं। बस जिन नेताओं के काम नहीं हो रहे वह जुगाड़ लगाकर बीजेपी में जा रहे हैं। यह बात शिंदे को अच्छी नहीं लग रही। उन्हें ऐसा बताया जा रहा है कि बीजेपी जानबूझकर शिव सेना कार्यकर्ताओं को बीजेपी ज्वाइन करा रही है ताकि वह राजनीतिक रूप से कमजोर हो। ऐसा हो भी रहा है शिंदे की सेना दीवार नहीं खोखली लकड़ी की तरह आवाज करने लगी है बस हाथ लगाओ और ठक–ठक–ठक की गूंज चार मंजिल ऊपर तक जाती है। यही दर्द लेकर शिंदे बोले अगर मेरी सेना बिखर गयी तो तो आपकी बीजेपी को फायदा नहीं फटा हुआ गठबंधन मिलेगा।

बड़े शहरों में अनियंत्रित आवारा कुत्तों पर शिवसेना यूबीटी के सवाल पर फंसे शिंदे

शिंदे ने मुंबई, पुणे, नागपुर और कल्याण-डोंबिवली जैसे बड़े शहरों में अनियंत्रित आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ने को लेकर व्याप्त चिंता के बीच शिवसेना (उबाठा) के विधायक सुनील प्रभु के प्रश्न पर यह जवाब दिया। महाराष्ट्र में पिछले छह वर्ष में कुत्तों के काटने के 30 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 2021 से 2023 के बीच 30 लोगों की रेबीज से मौत हुई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को राज्य विधानसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने लिखित उत्तर में कहा कि स्थानीय निकायों को पशु जनसंख्या नियंत्रण और रेबीज-रोधी टीकाकरण कार्यक्रमों को तेज करने का निर्देश दिया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में कुत्तों के काटने के मामलों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में पिछले छह वर्ष में कुत्तों के काटने के 30 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 2021 से 2023 के बीच 30 लोगों की रेबीज से मृत्यु हुई।

विधानसभा में उठा रोहित आर्य एनकाउंटर का मामला, विपक्ष ने सरकार को घेरा

मुंबई में 19 लोगों को बंधक बनाने वाले उद्यमी रोहित आर्य के पुलिस एनकाउंटर को लेकर महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधा। इस मामले पर राज्य सरकार की आलोचना की। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत इस मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि पवई में एक स्टूडियो से 17 बच्चों और दो वयस्कों को बचाने के दौरान गोली लगने से मारे गए आर्य ने बकाया राशि की मांग की थी। विधायक दल के नेता ने वीडियो पर उठाए सवाल वडेट्टीवार ने पूछा कि आर्य ने एक वीडियो बनाया था जिसमें कहा गया था कि मुझे मेरे पैसे दे दो, मैं आतंकवादी नहीं हूं. इसके बावजूद उसे मुठभेड़ में क्यों मारा गया? उसके पैर में गोली क्यों नहीं मारी गई? उस समय एक मुठभेड़ विशेषज्ञ घटनास्थल पर कैसे पहुंच गया? वडेट्टीवार ने आरोप लगाया कि आर्य का भुगतान एक पूर्व मंत्री द्वारा लिए गए फैसलों के कारण रोक दिया गया था. उन्होंने सवाल किया, क्या पूर्व मंत्री के खिलाफ कोई जांच हुई थी? क्या पैसा अभी भी बकाया है? गृह राज्य मंत्री (ग्रामीण) पंकज भोयर ने सदन को बताया कि मानवाधिकार आयोग ने जांच का आदेश दिया है, जो चल रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की क्योंकि आर्य ने बच्चों को बंधक बना रखा था. पुलिस की कार्रवाई में कुछ भी गलत नहीं है. उन्होंने कहा कि जहां जरूरत होगी, जवाबदेही तय की जाएगी।

संबंधित अन्य स्टोरी पेज-3 पर

निर्वाचन आयोग अंतरात्मा की आवाज सुनें : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख- चुनाव सुधार तभी होगा, जब निर्वाचन आयोग निष्पक्ष होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव सुधार तभी होगा, जब निर्वाचन आयोग निष्पक्ष होगा और इसे पारदर्शी बनाने के लिए इसमें नियुक्ति के तरीके बदलने की जरूरत है। उन्होंने ईवीएम के बजाय मतपत्रों से चुनाव कराने की भी मांग की। चुनाव सुधार पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए सपा सांसद ने कहा कि निर्वाचन आयोग को निर्भीक होने और अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनने की जरूरत है।

वहीं समाजवादी पार्टी के नेता और लोकसभा सांसद अखिलेश यादव ने संसद में उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में लगे बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की मौतों पर चिंता जताई और केंद्र से उनके परिवारों को वित्तीय और संस्थागत सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने चुनावों में मतपत्रों के इस्तेमाल की अपनी पार्टी की लंबे समय से चली आ रही मांग को भी दोहराया और तर्क दिया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम को लेकर कई सवाल उठते रहते हैं।

मृतक बीएलओ के परिजनों को 1 करोड़ रुपये मुआवजा मिले

लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान बोलते हुए, सपा प्रमुख ने कहा कि अब तक, राज्य में चल रही एसआईआर प्रक्रि या के दौरान 10 बीएलओ अपनी जान गंवा चुके हैं। हम मांग करते हैं कि मृतक बीएलओ के परिवारों को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि और मृतक के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। उन्होंने मतपत्रों को फिर से लागू करने की अपनी पार्टी की माँग दोहराई और ज़ोर देकर कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग तकनीकों को लेकर चिंताएँ बनी हुई हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय की लापरवाही से हो रही परेशानी : राम गोपाल

समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद राम गोपाल यादव ने बुधवार को दावा किया कि इंडिगो की पूरी गड़बड़ी, जिसके कारण देरी और उड़ानें रद्द हुईं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक आदेश के कारण हुई। वह नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जारी नए उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) नियमों का हवाला दे रहे थे। यादव ने बताया, लोगों को यह सोचने की ज़रूरत है कि यह सब क्यों हुआ। यह नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक आदेश के बाद हुआ। एयरलाइन के उड़ान कार्यक्र म में 10 प्रतिशत की कटौती की गई है। अब, यह 10 प्रतिशत किसे मिलेगा? टाटा को मिलेगा। टाटा अडानी को ले जा रहा है। यह बात सभी जानते हैं।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर गिरफ्तार एसटीएफ ने शाहजहांपुर में ट्रेन से उतारा

» जांच में सहयोग न करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व आईपीएस व आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर को लखनऊ पुलिस की एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया। वह कल रात लखनऊ से दिल्ली जा रहे थे। इस दौरान उन्हें शाहजहांपुर में ट्रेन से उतारा गया और एसटीएफ की टीम उन्हें देवरिया लेकर चली गई। देवरिया में उन पर कुछ दिन पहले केस दर्ज हुआ था। उन्हें जांच में सहयोग नहीं करने पर गिरफ्तार किया गया है।

बता दें कि अमिताभ ठाकुर भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कानपुर के अधिवक्ता अखिलेश दुबे की संपत्तियों की गहन जांच कराने की मांग की थी। इसके लिए मंडलायुक्त और पुलिस कमिश्नर को पत्र भी लिखा था। उन्होंने मंडलायुक्त कार्यालय के एक कर्मचारी की भूमिका पर भी सवाल उठाए थे। पत्र के अनुसार उन्होंने साकेतनगर स्थित पार्क की जमीन पर कब्जाकर किशोरी वाटिका गेस्ट हाउस बनाने और अखिलेश दुबे के कार्यालय के आवंटन की जांच की मांग की थी। इसके अलावा अवैध तरीके से बृजकिशोरी दुबे स्कूल संचालित करने का भी आरोप लगाकर जांच कराने की मांग की। उन्होंने मंडलायुक्त कार्यालय के एक कर्मचारी पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से अधिवक्ता अखिलेश को सहयोग दिए जाने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा था कि ऐसी सरकारी भूमि पर अवैध तरीके से कब्जा कराने के आरोप में जांच के बाद लोगों के उत्तरदायित्व का निर्धारण किया जाए। साथ ही आरोपियों से अवैध कब्जे या अवैध लाभ से कमाई गई संपत्ति की रिकवरी भी जरूरी है।

देवरिया में दर्ज पुराने मुकदमे में हुई कार्रवाई

टीम उनको देवरिया ले गई है, जहां उन पर दर्ज भूमि आवंटन संबंधी मुकदमे में पूछताछ होगी। अमिताभ ठाकुर की पत्नी नूतन ठाकुर ने बताया कि तीन माह पहले लखनऊ पुलिस ने उनके व उनके पति के विरुद्ध देवरिया में भूमि आवंटन संबंधी मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। जबकि वह इस भूमि पर 25 वर्ष पूर्व ही कब्जा छोड़ चुकी थीं। नूतन ने बताया कि मंगलवार रात पति आवश्यक कार्य के सिलसिले में दिल्ली जा रहे थे। शाहजहांपुर में सादी वर्दी में कुछ पुलिसकर्मियों ने अचानक ट्रेन से उतार लिया। कोई बताने को तैयार नहीं था।

70 प्रतिशत पंजाब कांग्रेस मेरे साथ : नवजोत कौर

» निलंबन के बाद कांग्रेस सांसद रंधावा पर बरसीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपये वाली टिप्पणी के बाद पार्टी से निलंबित किए जाने के एक दिन बाद नवजोत कौर सिद्धू ने दावा किया कि उन्हें पंजाब कांग्रेस के 70 प्रतिशत और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के 90 प्रतिशत लोगों का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा पर भी हमला बोला, क्योंकि उन्होंने उनके खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए उन्हें कानूनी नोटिस भेजा था।

उन्होंने उन पर राजस्थान में पार्टी टिकट बेचने और तस्करों से संबंध रखने का भी आरोप लगाया। रंधावा ने मंगलवार को कौर को कानूनी नोटिस भेजकर उनसे उनके खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी के लिए माफी मांगने या कानूनी कार्रवाई का सामना करने को कहा। नवजोत कौर पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भारतीय क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी हैं। सोमवार को, पंजाब कांग्रेस ने कौर को उनके कुर्सी के बदले पैसे वाले बयान के लिए प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया, जिससे राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। अपने निलंबन पर एक सवाल का जवाब देते हुए, कौर ने कहा कि यह नोटिस एक ऐसे प्रदेश अध्यक्ष की ओर से आया है, जिनकी कोई मान्यता नहीं है और ऐसे कई नोटिस जारी किए जाते हैं। पटियाला में पत्रकारों से बात करते हुए कौर ने कहा कि वह पार्टी आलाकमान के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी (आलाकमान) के साथ उचित चर्चा चल रही है। लेकिन हमारी एक शर्त है कि हम चोरों का समर्थन नहीं करेंगे। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि अगर आप सरकार बनाना चाहते हैं, तो कांग्रेस में चार-पाँच लोग हैं जो पार्टी को बर्बाद कर रहे हैं।

विश्वास पैदा करने के लिए ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से ही मतदान हो : मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- प्रदेश में अभी चुनाव नहीं, एसआईआर का बढ़े समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सुझाव है दया कि चुनाव प्रक्रिया में सभी का पूर्ण रूप से विश्वास पैदा करने के लिए ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से ही मतदान की प्रक्रि या लागू की जाए। अगर किसी वजह से ऐसा अभी नहीं किया जा सकता है तो कम से कम वीवीपैट में जो वोट डालते समय पर्ची गिरती है, उन सभी पर्चियों की गिनती सभी बूथों में करके ईवीएम के वोटों से मिलान किया जाये।

बैलेट पेपर से वोटिंग कराने पर अधिक समय लगने का चुनाव आयोग का तर्क उचित नहीं है। अगर सिर्फ कुछ और घंटे वोटों की गिनती में लगते हैं तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिये। मतदाता सूची के सघन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) का उनकी पार्टी विरोध नहीं करती है, लेकिन इसकी समय सीमा बेहद कम है। इसकी वजह से बीएलओ दबाव में हैं। कई अपनी जान भी गवां चुके हैं। जहां करोड़ों मतदाता हैं, वहां बीएलओ को उचित समय मिलना चाहिए। खासकर यूपी में, जहां जल्द कोई चुनाव नहीं है। स्थानीय अखबारों में भी पूरा विवरण प्रकाशित करना होगा। जिस दल से चुनाव लड़ रहे हैं, उसे भी इसकी सूचना राष्ट्रीय अखबारों में प्रकाशित करानी होगी। बसपा का मत है कि जिस व्यक्ति को चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया जाता है, उनमें से कुछ अपना आपराधिक इतिहास पार्टी को नहीं बताते हैं। ऐसे प्रत्याशियों के संबंध में सभी औपचारिकताएं पूरी करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर डालनी चाहिए। आगे यदि मालूम होता है कि किसी प्रत्याशी ने अपना आपराधिक इतिहास छुपाया है तो पार्टी की जगह उसे ही जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

एसआईआर का कार्य जल्दबाजी में न हो

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि यूपी में करीब 15.40 करोड़ मतदाता हैं। एसआईआर का कार्य जल्दबाजी में करने का नतीजा होगा कि अनेकों वैध-मतदाता खासकर गरीब और काम करने बाहर गए लोगों का नाम मतदाता सूची में नहीं दर्ज हो पाएगा। यह वोट डालने के संवैधानिक अधिकार से वंचित कर देगा, जो अनुचित होगा। लिहाजा समय सीमा बढ़नी चाहिए। वहीं सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि जिन प्रत्याशियों का कोई भी आपराधिक इतिहास है, उन्हें अपने हलफनामे में इसका ब्योरा देना होगा।

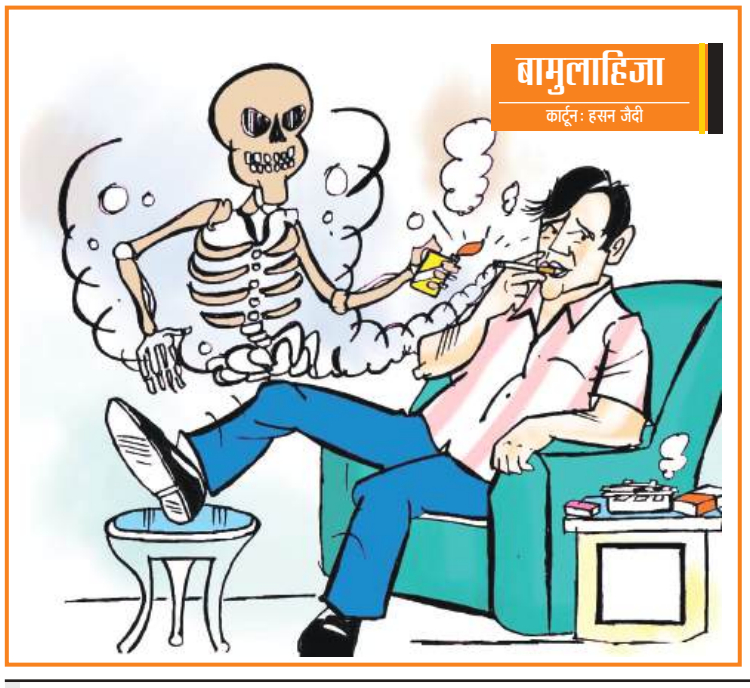

हरियाणा के युवाओं से भाजपा सरकार धोखाधड़ी कर रही : ढांडा

आप ने भाजपा पर किया प्रहार, पंजाब से सीखे हरियाणा सरकार, वहां किसी भर्ती पर विवाद नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया इंचार्ज अनुराग ढांडा ने कहा कि हरियाणा के युवाओं व बेरोजगारों से भाजपा सरकार धोखाधड़ी कर रही है। पंजाब सरकार 2022 से अब तक 60 हजार से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दे चुकी है और एक भी भर्ती न तो कोर्ट में अटकी और न ही पेपर लीक हुआ है।

वहीं हरियाणा में युवाओं का भविष्य अंधेरे में धकेल दिया गया है। सेक्टर-27 स्थित प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता के दौरान ढांडा ने हरियाणा सरकार पर निशाना साधा। ढांडा ने कहा कि हरियाणा सरकार करीब 2 लाख नौकरियों देने का दावा करती है लेकिन हकीकत में केवल 1 लाख 20 हजार पदों की भर्ती पूरी हुई है। इनमें से करीब 25 हजार उम्मीदवार ग्रुप डी से ग्रुप सी में चले गए जिसके कारण ये पद फिर से खाली हो गए। वहीं 20 से 25 हजार विभिन्न विभागों के पद आज भी कोर्ट केस में फंसे हुए हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी के 613 पदों पर भर्ती होनी थी लेकिन लिखित परीक्षा में केवल 151 युवा ही पास किए। सरकार संयुक्त पात्रता परीक्षा (सीईटी) ग्रुप सी क्वालिफाइंग उम्मीदवारों का डाटा छुपा रही है। उन्होंने हरियाणा सरकार को चेतावनी दी कि प्रदेश का युवा अब अपने अधिकारों के लिए खड़ा होगा और इस भ्रष्ट रोजगार तंत्र का कड़ा जवाब देगा।

हुड्डा की वजह से गठबंधन नहीं हुआ

आप नेता अनुराग ढांडा ने कहा कि हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा की वजह से आप और कांग्रेस का गठबंधन नहीं हुआ था। अगर यह गठबंधन हो जाता तो हरियाणा की राजनीति के हालात कुछ और ही होते। मालूम हो कि यह आरोप ढांडा पहले भी कई बार खुले मंच पर लगा चुके हैं।

महाराष्ट्र में बयान पर बयान उठा तूफान

आदित्य ठाकरे का आरोप, पर गठबंधन में घमासान

» विधायकों के इधर-उधर जाने के सवाल पर बवाल
» पैसे के लेनदेन पर भी तकरार
» आदित्य ठाकरे की टिप्पणी के बाद बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में चारों तरफ फजीहत होने के बाद भाजपा आखिरकार झुक गई। उसके शिवसेना नेता व उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को मनाने के लिए उनसे मुलाकात की है। शिवसेना ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि दोनों दलों के नेताओं ने महायुति के बैनर तले आगामी नगर निगम चुनाव मिलकर लड़ने पर रचनात्मक बातचीत की। अगले दो-तीन दिनों में प्रत्येक नगर निगम के लिए सीट बंटवारे और अन्य विवरणों को अंतिम रूप देने के लिए स्थानीय स्तर पर चर्चा शुरू की जाएगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार रात आगामी नगर निगम चुनावों पर चर्चा के लिए एक बंद कमरे में बैठक की। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन मुंबई और ठाणे सहित इन नगर निगम चुनावों में मिलकर चुनाव लड़ेगा। राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और वरिष्ठ शिवसेना नेता रवींद्र चव्हाण भी बैठक में शामिल हुए। शिवसेना ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि दोनों दलों के नेताओं ने महायुति के बैनर तले आगामी नगर निगम चुनाव मिलकर लड़ने पर रचनात्मक बातचीत की। अगले दो-तीन दिनों में, प्रत्येक नगर निगम के लिए सीट बंटवारे और अन्य विवरणों को अंतिम रूप देने के लिए स्थानीय स्तर पर चर्चा शुरू की जाएगी। वहीं दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक ने राजनीतिक अटकलों का भी बाजार गर्म कर दिया है, क्योंकि यह शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे के उस दावे के बाद हुई है जिसमें उन्होंने दावा किया था कि महायुति गठबंधन के एक सहयोगी दल के 22 से ज्यादा विधायक मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी हैं और पाला बदलने को तैयार हैं। वह परोक्ष रूप से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट का जिक्र कर रहे थे। ठाकरे ने कहा था, एक पार्टी है और राजकोषीय मोर्चे पर दो गुट हैं। एक गुट के 22 विधायक मुख्यमंत्री के करीब आ गए हैं। उनके पास अच्छा धन है और वे मुख्यमंत्री के इशारों पर नाचने लगे हैं।

उद्धव ठाकरे के नेता के वीडियो से मचा सियासी भूचाल

शिवसेना यूबीटी के एक नेता अंबादास दानवे ने एक बड़ा 'कैश बम' फोड़ दिया। 9 दिसंबर की सुबह ही उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। उसमें एक फ्रेम में एक विधायक दिखाई दे रहा है और दूसरे फेम में नोटों की गड्डियां नजर आ रही हैं। इस वीडियो से एकदम खलबली मच गई है। 8 दिसंबर से शुरू हुए हिवाळी अधिवेशन के दूसरे ही दिन सुबह-सुबह उद्धव ठाकरे के नेता अंबादास दानवे ने बड़ा खुलासा कर दिया है। उनके आधिकारिक एक्स हैंडल से एक वीडियो शेयर किया गया। इसमें कुल तीन वीडियो शामिल हैं। इनमें से एक वीडियो में विधायक महेंद्र दळवी दिख रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में नोटों की गड्डियां दिखाई देती हैं। गौर करने वाली बात यह है कि अपनी पोस्ट में दानवे ने किसी का नाम सीधे नहीं लिया है। लेकिन उन्होंने

सरकार से सवाल पूछे हैं, जिसके कारण राजनीतिक माहौल गरमाया है।

महायुति और मजबूत हो रही है

हालांकि, फडणवीस ने स्पष्ट किया कि भाजपा ऐसी राजनीति नहीं करती और भविष्य में गठबंधन और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि शिंदे सेना हमारी सहयोगी और सच्ची शिवसेना है। हम ऐसी राजनीति नहीं करते। हम उनके साथ खड़े हैं और यह सुनिश्चित करेंगे कि वे मजबूत हों। भविष्य में, हम निश्चित रूप से शिवसेना, भाजपा और महायुति को और मजबूत होते देखेंगे।

दानवे का ट्वीट- सरकार के पास सिर्फ किसानों की कर्जमाफी के लिए पैसा नहीं है, बाकी सब ओके है

अंबादास दानवे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, सरकार के पास सिर्फ किसानों की कर्जमाफी के लिए पैसा नहीं है। बाकी सब ओके है! जनता को थोड़ा बताइए फडणवीस और शिंदे जी, ये विधायक कौन हैं और ये नोटों की गड्डियों के साथ क्या कर रहे हैं? वहीं शिवसेना (यूबीटी) विधायक सचिन अहीर ने सरकार को घेरते हुए कहा कि, सरकार के पास किसानों की मदद के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन विधायकों और मंत्रियों के पास करोड़ों रुपये जमा हैं। साफ है कि राज्य कितना भ्रष्ट होता जा रहा है।

आदित्य ठाकरे के दावे पर भड़का एकनाथ शिंदे गुट

आदित्य ठाकरे ने दावा किया कि एकनाथ शिंदे खेमे के 22 विधायक बीजेपी में आने को तैयार बैठे हैं। यह दावा ऐसे समय आया है जब विपक्ष नेता की नियुक्ति को लेकर खींचतान जारी है, जिससे सत्ता गठबंधन के भीतर हलचल और बढ़ गई है। यह घटनाक्रम राज्य की राजनीतिक स्थिरता पर गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है। आदित्य

ठाकरे ने आरोप लगाया कि इन 22 विधायकों को पिछले कुछ महीनों में भारी फंडिंग मिली है और वे मुख्यमंत्री के इशारे पर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को विपक्ष न होने के बावजूद किस बात का डर सता रहा है। आदित्य ठाकरे ने यह भी तंज कसा कि मुख्यमंत्री को अब अपने ही गठबंधन में दो-दो विपक्ष नेता तैयार होने की चिंता है। उन्होंने भास्कर जाधव के नाम में बदलाव की चर्चाओं को गठबंधन के भीतर से प्लांट की गई अफवाह बताया।

ये है मामला

एक वीडियो कॉल जैसा दिखाई देता है। इसमें एकनाथ शिंदे गट के विधायक महेंद्र डळवी नजर आते हैं। दूसरी तरफ का व्यक्ति दिखाई नहीं देता, लेकिन वीडियो में नोटों की भारी गड्डियां दिख रही हैं। इसी को लेकर दानवे ने मुख्यमंत्री फडणवीस से सवाल किया है कि ये विधायक कौन है और पैसों की गड्डियों के साथ क्या कर रहा है?

देवेंद्र फडणवीस का जवाब और बीजेपी की सफाई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आरोपों को बेबुनियाद कहा और पलटवार करते हुए स्पष्ट किया कि कह देने से कुछ नहीं होता। उन्होंने कहा कि अगर कोई दावा भर कर दे तो वे भी कह सकते हैं कि आदित्य ठाकरे के 20 विधायक बीजेपी में आने को तैयार हैं। उन्होंने साफ कहा कि हमें शिंदे सेना के विधायक क्यों चाहिए? वे हमारे मित्र दल के हैं और असली शिवसेना भी वही है। देवेंद्र फडणवीस ने यह भी जोड़ा कि बीजेपी किसी तरह की टूट की राजनीति नहीं करती और महायुति आगे और मजबूत होकर उभरेगी। इन बयानों के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ने राज्य में नई हलचल पैदा कर दी है।

दानवे के पास कोई काम नहीं है : महेंद्र दळवी की प्रतिक्रिया

इस पूरे विवाद पर विधायक महेंद्र दळवी ने जवाब देते हुए कहा अंबादास दानवे के पास कोई काम नहीं है। वे किसी के भी खिलाफ कुछ भी बोलते हैं। किसी को ब्लैकमेल करना उन्हें शोभा नहीं देता। ये वीडियो मेरा नहीं है। पूरी क्लिप दिखाएं। किसी को इस तरह ब्लैकमेल करना ठीक नहीं है। वे डिबेट

में आएं, मैं तैयार हूं। वे इसकी सत्यता साबित करें। मैं कानूनी कार्रवाई करूंगा। इस कार्रवाई का मैं रिएक्शन दूंगा और शीतकालीन अधिवेशन में यह मुद्दा उठाऊंगा।

उद्धव और आदित्य पहले अपने 20 विधायक संभाले : संजय शिरसाठ

शिवसेना शिंदे गुट ने आदित्य ठाकरे के दावे पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। मंत्री संजय शिरसाठ ने कहा, उद्धव और आदित्य पहले अपने 20 विधायक संभालें, फिर हम पर उंगली उठाएं। विधायक निलेश राणे ने कटाक्ष किया, क्या आदित्य ठाकरे ने अब ज्योतिष का धंधा शुरू कर दिया है? हर बात पर भविष्यवाणी कर रहे हैं। इन बयानों से साफ है कि शिंदे गुट इस आरोप को सत्ता स्थिरता पर हमला मान रहा है और किसी तरह की टूट की संभावना को खारिज करना चाहता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

विमानन कंपनियों की शिकायतों का तत्काल समाधान हो

आजकल देश विमान संकटचल रहा है। इंडिगो विमान कंपनी की लापरवाही और सरकार की अनदेखी से एक हफ्तें से यात्री परेशान हैं। सरकार के साथ ही विमानन कंपनियों को समय प्रबंधन का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इमर्जेंसी विमानों की व्यवस्था रखनी चाहिए, जिससे किसी भी विमान में खराबी होने पर तत्काल व्यवस्था की जा सके। कुछ विशेष जगहों पर जाने के लिए तो इमर्जेंसी विमान उपलब्ध करवाने चाहिए। साथ ही रिजर्व पायलट की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी कारण कोई पायलट समय पर नहीं आ सके तो उसकी जगह तत्काल व्यवस्था की जा सके। बोर्डिंग टाइम को थोड़ा कम किया जाना चाहिए। यात्रियों से सुविधाओं और व्यवस्थाओ से संबंधित फीडबैक लेते रहने चाहिए। विमानन कंपनियों को समयपालन सुनिश्चित करने के साथ ही उड़ानों की वास्तविक-समय सूचना देनी चाहिए। यात्री सहायता केंद्रों को सशक्त करना के अलावा सामान प्रबंधन में तकनीक का बेहतर उपयोग करना चाहिए।

सुरक्षा जांच प्रक्रिया को तेज व सरल बनाना, आपातकालीन स्थितियों में टिकट रिफंड-कैंसिलेशन प्रक्रिया को पारदर्शी करना चाहिए। इससे यात्रियों का भरोसा बढ़ेगा और सेवा की गुणवत्ता सुधरेगी। विमानन कंपनियों की व्यवस्था सुधारने के लिए पारदर्शिता, सुरक्षा और समयबद्धता पर जोर जरूरी है। कर्मचारियों की ट्रेनिंग और तकनीक में निवेश बढ़ाया जाए, निगरानी और नियमों का सख्त पालन हो, साथ ही शिकायतों का तीव्र समाधान हो ताकि यात्रियों को भरोसा और बेहतर सेवा मिल सके। विमानन कंपनियों की व्यवस्थाओं में सुधार हेतु सबसे पहले उड़ान समयपालन और रखरखाव प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक मजबूत बनाना चाहिए। यात्रियों की सुविधा के लिए पारदर्शी जानकारी, समय पर अपडेट और शिकायत निवारण तंत्र को तेज और प्रभावी बनाया जाए। स्टाफ को नियमित प्रशिक्षण देकर उनके व्यवहार, सुरक्षा ज्ञान और सेवा गुणवत्ता को बेहतर किया जाए। एयरपोर्ट, एयरलाइन समन्वय, डिजिटल प्रक्रियाएं और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन संपूर्ण अनुभव को उत्कृष्ट बनाते हैं। विमानन कम्पनियों की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए सरकार को ऐसा नियम बनाना चाहिए जिसके तहत किसी भी खामी के लिए भारी भरकम जुर्माने का प्रावधान हो। एक ऐसी स्पेशल सेल की स्थापना हो जो 24X7 जनता की शिकायतों को दर्ज कर उसका निवारण करें। सरकार को यह ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी एक कंपनी का एकाधिकार उस क्षेत्र में ना हो, उसके बराबर अन्य कई कम्पनियों को खड़ा किया जाना चाहिए।

“ इमर्जेंसी विमानों की व्यवस्था रखनी चाहिए, जिससे किसी भी विमान में खराबी होने पर तत्काल व्यवस्था की जा सके। कुछ विशेष जगहों पर जाने के लिए तो इमर्जेंसी विमान उपलब्ध करवाने चाहिए। साथ ही रिजर्व पायलट की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी कारण कोई पायलट समय पर नहीं आ सके तो उसकी जगह तत्काल व्यवस्था की जा सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रूसी हाथ मगर बहुध्रुवीय व्यवस्था के भी साथ

ज्योति मल्होत्रा

जब उठी चर्चा- कयासों की सारी धूल बैठ जाएगी और घोषणाओं का शंखनाद हो चुका होगा और गले मिलना इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएगा, तब हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई शिखर वार्ता में एक छोटी सी यादगार इस मिलन का प्रतीक बन जाएगी- वह फोटो, जिसमें मोदी, पुतिन को रूसी भाषा में अनुवादित भगवद गीता की एक प्रति भेंट कर रहे हैं। आप पूछेंगे, तो क्या हुआ। लेकिन जरा गौर से देखिए। किताब लेते समय जहां रूसी राष्ट्रपति मुस्कुरा रहे हैं, कुछ-कुछ अर्ध-असमंजस अंदाज में, वहीं प्रधानमंत्री की नजर कहीं अधिक संयमित है और उसमें कई छिपे हुए संदेश हैं - गीता की सदियों पुरानी सभ्यतागत शिक्षाएं; कुरुक्षेत्र की रणभूमि से न्याय की खातिर लड़ी जाने वाली लड़ाई का संदेश; तीन साल से यूक्रेन में युद्धरत पुतिन की मंशा पर परोक्ष टिप्पणी; और पश्चिम हेतु संदेश, जो उत्सुकता से भारत को लाल कालीन बिछाकर उस आदमी का स्वागत करते देख रही है, जिस पर कड़ी पाबंदियां ठोक रही है, कि भारत शांति के पाले में है, न कि यूक्रेन संघर्ष में महज एक तटस्थ पक्ष।

काफी अर्से बाद, गत सप्ताह ऐसा लगा कि भारत ने अपना वजूद दर्शाया है। पिछले कुछ महीनों में ट्रंप द्वारा दी जाने वाली चोटों के परिप्रेक्ष्य में (व्यापार संबंधित, अमेरिकी राष्ट्रपति का जोर-शोर से प्रचार करना कि ऑपरेशन सिंदूर को रूकवाने में उन्होंने मध्यस्था की थी, और व्हाइट हाउस में आसिम मुनीर का रेड कार्पेट वेलकम) मोदी ने अवश्य तय कर लिया होगा कि अब बहुत हुआ और वक्त है अपने अस्तित्व का अहसास कराने का। पुतिन का भारत आना काफी समय से लंबित था -पिछली बार वे चार साल पहले आए थे। मोदी ने उनका स्वागत गर्मजोशी से करने का फैसला सिर्फ इसलिए नहीं किया कि ट्रंप मुनीर के साथ पींगे बढ़ा रहे हैं, या इसलिए नहीं कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में लंबे समय से गतिरोध बना हुआ है, या इसलिए नहीं कि भारत-रूस के बीच 64 बिलियन डॉलर मूल्य के आपसी द्विपक्षीय व्यापार में भारत का अकेले ऊर्जा संबंधी आयात 55 बिलियन डॉलर है-बल्कि भू-राजनीति के बुनियादी सबक 'न तो कोई दोस्त स्थाई होता है न ही दुश्मन, स्थाई कुछ है, तो केवल स्व: हित'।

यूक्रेन संकट का बेहतरीन उदाहरण देखें। अमेरिका रूस पर प्रतिबंध लगाता जा रहा है - जिसमें भारत को ऊर्जा

आपूर्ति करने वाली चार रूसी कंपनियां भी शामिल हैं - हालांकि ट्रंप व सहयोगी भी युद्ध रुकवाने को बार-बार पुतिन से मिले हैं। लेकिन रूसी राष्ट्रपति अपनी रूख पर अडिग हैं; पिछले तीन सालों में उन्होंने न सिर्फ यूक्रेनियन लोगों से बल्कि यूक्रेनियनों के मददगार यूरोपियन एवं अमेरिकियों से भी डोनबास जैसे रूसी भाषी इलाकों पर कब्जा करने के अधिकार के लिए लड़ाई लड़ने में गुजारे हैं। यह भू-राजनीति का दूसरा सबक है कि ताकतवर विरोधियों का सामना मुमकिन है, जब तक आपके पास ऐसा करने की ताकत हो। मोदी जानते हैं कि बड़ी ताकतों चीनी, अमेरिकियों और रूसियों में यह अस्वाभाविक काबलियत है कि जब उन्हें अपनी चलानी हो तो वे उच्च नैतिक मूल्यों को तज देते हैं। उन्हें अहसास है कि भारत को उनसे सबक लेते हुए खुद एक आर्थिक ताकत बनाना होगा। लेकिन यह कैसे हो पाएगा, जब रुपया डॉलर के मुकाबले गिर रहा है। समस्या है कि भारत काफी हद तक अमेरिकी बाजार पर निर्भर है, इसीलिए एक सहानुभूतियुक्त व्यापार समझौते की जरूरत है; निर्भरता चीनी मार्केट पर भी है, जो दुनिया के अन्य देशों से कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण सामान बेचता है, इसकी वजह से 100 बिलियन डॉलर के द्वि-पक्षीय व्यापार में चीन का पलड़ा बहुत भारी है और हमारी निर्भरता सस्ती ऊर्जा जरूरतों हेतु रूसी बाजार पर भी है, जो भारतीय आर्थिकी को संबल हेतु अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के मुकाबले कियाफती रखने में मददगार है। तो फिर, क्यों न सभी पक्षों से संवाद रखा जाए और हरेक के साथ अर्थपूर्ण रिश्ते बनाए जाएं। इसीलिए बीते शुक्रवार को जब पुतिन का जहाज दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरा, तो मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर पुतिन की अगवानी की। दोनों नेताओं ने स्वागत कार्यक्रम में एक सांस्कृति आयोजन का आनंद लिया और फिर रात्रि भोज के लिए रवाना हुए।

खास बात यह है कि किसी समझौता-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं हुए, सिर्फ सहमति पर समझ बनी है - यह बात घबराए पश्चिमी लोकतंत्रों के लिए राहत भरी रही, खासकर यूरोपियन यूनियन के उन मुल्कों के लिए जिनके नेता अगले महीने गणतंत्र दिवस समारोहों में मुख्य अतिथि बनने जा रहा हैं। यह कि भारत रूसी गठबंधन के आगे नहीं झुकेगा, भले ही उसे सस्ते रूसी तेल की सख्त जरूरत है।

राष्ट्रीय एकता का पुल बनें भारतीय भाषाएं

आज हमारी सोच बन गई है कि अगर अंग्रेजी में भावानुवाद हो जाए, तो रचना वैश्विक बन जाएगी। लेकिन इस दौड़ में, जहां अंग्रेजी शब्दकोष की सीमाओं के कारण हमारी सांस्कृतिक गरिमा की विविधता खो रही है, वहीं अपने देश के नागरिक भी अपनी संस्कृति से दूर हो रहे हैं। कुछ भारतीय तो मातृभाषाओं को भी नहीं जानते।

सुरेश सेठ

किसी देश की संस्कृति उसकी भाषाओं, साहित्य और परंपराओं से पहचानी जाती है। भारत की भाषाओं की जड़ संस्कृत में है। मध्ययुग की हिंदी और देवनागरी आज देश के अधिकांश लोगों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। लेकिन अंग्रेजों के साम्राज्य ने हमें अंग्रेजी के प्रभाव में डाल दिया, और यह सबसे पहले दक्षिण भारत में प्रभावी हुआ। धीरे-धीरे अंग्रेजी बोलने की क्षमता को ही शिक्षा और समाज में प्रतिष्ठा का पैमाना बना दिया गया। संविधान में हिंदी को 15 वर्ष बाद राष्ट्रभाषा बनाने की बात कही गई, लेकिन दक्षिण भारत में इसे स्वीकारने में कठिनाई आई और इसे हिंदी के अधिनायकवाद के रूप में देखा गया। आज भी शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है, और उसे ही सफलता का पैमाना माना जाता है।

यह कैसी विसंगति है कि हम अपनी भाषा और संस्कृत, जो सभी भारतीय भाषाओं की जननी है, का न तो सम्मान करते हैं और न ही उसे अपनाने के लिए तैयार हैं। वहीं, जब हिंदी के समर्थन में आवाज उठती है, तो दक्षिण भारत के नेता इसे 'थोपने' के रूप में देखकर इसके प्रति विरोध और राजनीति करते हैं। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में काशी-तमिल संगमम का आयोजन किया, जिसमें नागरिकों से तमिल भाषा सीखने का आग्रह किया गया। यह चौथा संस्करण है, जिसमें उत्तरी भारत को तमिल अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य हिंदी और तमिल के बीच सांस्कृतिक सामंजस्य स्थापित करना है, जिससे भाषाई कट्टरता को समाप्त किया जा सके और देश में एकता बढ़े। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में भाषाई विरासत के लुप्त होने पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हम अंग्रेजी के पीछे दौड़ते हुए अपनी स्वदेशी भाषाओं, खासकर संस्कृत और मराठी, को भूल रहे हैं। संत ज्ञानेश्वर ने भगवद्गीता का ज्ञान मराठी में दिया, जिससे समाज को समझाने में आसानी हुई।

भागवत ने सवाल उठाया कि हम अपनी हजारों साल पुरानी विरासत की बजाय आधुनिकता के नाम पर अंग्रेजी की ओर क्यों भाग रहे हैं, जबकि हमारे विद्वानों ने संस्कृत में ज्ञान अर्जित किया था। यह आत्मचिंतन का समय है कि हम अपनी संस्कृति और भाषाओं को खोने की ओर क्यों बढ़ रहे हैं। संस्कृत, जो सभी भाषाओं की जननी मानी जाती है, आज पश्चिमी देशों में पढ़ाई जा रही है, जबकि हमारे देश में लोग अपनी बुनियादी अभिव्यक्ति के लिए मातृभाषा और अंग्रेजी का मिश्रण करते हैं। अंग्रेजी बोलने का आकर्षण एक तरह से आभिजात्य सोच का प्रतीक बन गया है, जबकि हमारी देसी भाषाओं को पिछड़ेपन का संकेत माना जाता है।

यह केवल पिछड़ेपन का प्रतीक नहीं, बल्कि हमारी दास मानसिकता का भी प्रतीक है। अंग्रेजी भाषा के शब्दकोष की सीमितता के बावजूद, हमारी स्वदेशी भाषाएं, जो क्षेत्रीय रूप से समृद्ध हैं, गहरे भावों और विचारों को व्यक्त करने में सक्षम हैं। अनुवाद और भावानुवाद एक बहुत बड़ा सांस्कृतिक पुल हैं और हिंदी वह मुख्य मार्ग है जो संस्कृत के आधार पर खड़ा है। लेकिन अपनी-अपनी पक्षधरता के कारण और राजनीतिक सीमाओं को स्वीकार करते हुए, हम अपनी स्वदेशी भाषाओं से विमुख हो रहे हैं और अंग्रेजी भाषा की गोद में बैठते जा रहे हैं। एक-एक भाव की अभिव्यक्ति के लिए कई बार हिंदी और संस्कृत के पास जो अनमोल खजाना है, वह अंग्रेजी के पास नहीं है। हम हास्य और शोक जैसे सामान्य भावों को हिंदी और संस्कृत में अनगिनत शब्दों से व्यक्त कर सकते हैं, जबकि अंग्रेजी के पास उस प्रकार की विविधता नहीं है। हम भारतीय संस्कृति को अंग्रेजी में प्रस्तुत करना चाहते हैं, लेकिन संस्कृत के कई मूल शब्दों का अंग्रेजी में अनुवाद ही नहीं हो सकता, जैसे 'कल्पवृक्ष'। मोदी जी ने भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में इसी पर जोर दिया कि अपनी सोच का विस्तार कीजिए, अपनी सभी भाषाओं को स्वीकार कीजिए।

अनुवाद का जहां तक सवाल है, सबसे पहले इन सभी भाषाओं में हमारे ज्ञान और साहित्य की थाती का भावानुवाद होना चाहिए। हम इसके लिए हमेशा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति का सहारा न तलाशते रहें। आज हमारी सोच बन गई है कि अगर अंग्रेजी में भावानुवाद हो जाए, तो रचना वैश्विक बन जाएगी। लेकिन इस दौड़ में, जहां अंग्रेजी शब्दकोष की सीमाओं के कारण हमारी सांस्कृतिक गरिमा की विविधता खो रही है, वहीं अपने देश के नागरिक भी अपनी संस्कृति से दूर हो रहे हैं। कुछ भारतीय तो मातृभाषाओं को भी नहीं जानते। पहले इन भाषाओं को समझना होगा और इन सामंजस्यपूर्ण पुलों से गुजरना होगा। तभी देश में राष्ट्रीयता की भावना उत्पन्न हो सकेगी और सांस्कृतिक गौरव का अहसास बढ़ेगा। लेकिन जब लोग अपनी-अपनी भाषा के लिए संघर्ष करते रहेंगे, तो कब वे इस सत्य को समझेंगे? यही आज के बदलते युग का सबसे बड़ा सवाल है।

अंडे की सफेदी

यदि आपके चेहरे पर भी गड्ढे नजर आते हैं और आपको अंडे से कोई परहेज नहीं है तो ये नुस्खा ट्राई करें। इसके लिए आपको अंडे के सफेद वाले हिस्से को चेहरे पर इस्तेमाल करना है। इसके लिए अंडे को तोड़कर उसका सफेद भाग निकालें और उसे अच्छी तरह से फेंट लें। अब ब्रश की मदद से उसे चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद धो लें। ये आपकी स्किन को टाइट करता है और पोर्स छोटा करता है। जिससे स्कार्स कम दिखते हैं।

टमाटर का रस

टमाटर सेहत के साथ ही, त्वचा के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। टमाटर, त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करता है। अक्सर लोग त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने के लिए चेहरे पर टमाटर के रस का इस्तेमाल करते हैं। ये स्कार्स को कम करने का सबसे आसान नुस्खा है। इसके लिए आपको सिर्फ एक ताजे टमाटर की जरूरत पड़ेगी। तो बस सबसे पहले एक ताजा टमाटर लेकर उसका रस निकाल लें। अब रूई की मदद से इसे चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद धो लें। विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, स्किन को टाइट और क्लियर बनाता है। हफ्ते में तीन बार इसके इस्तेमास से स्कार्स भी कम होंगे और टैनिंग भी धीरे-धीरे हटने लगेगी। लेकिन कुछ लोगों को टमाटर के रस से एलर्जी हो सकती है। इसलिए हर व्यक्ति को अपने चेहरे पर टमाटर का रस बिलकुल नहीं लगाना चाहिए।

चेहरे पर हैं गड्ढे तो आजमाएं ये नुस्खे

हेल्दी और ग्लोइंग स्किन पाने के लिए जहां बैलेंस्ड डाइट लेना जरूरी है, वहीं स्किन की सही देखभाल भी बेहद अहम होती है। आज के समय में प्रदूषण, गलत खान-पान, तनाव और नींद की कमी जैसी कई वजहों से स्किन से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इन्हीं समस्याओं में से एक है चेहरे पर ओपन पोर्स यानी त्वचा के रोमछिद्रों का खुला रह जाना। ओपन पोर्स की समस्या आजकल आम हो गई है, खासकर ऑयली स्किन वाले लोगों में ओपन पोर्स की समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। जब स्किन के पोर्स खुल जाते हैं, तो उनमें धूल-मिट्टी, तेल और बैक्टीरिया आसानी से जमा हो जाते हैं, जिससे ब्लैकहेड्स, व्हाइटहेड्स और पिंपल्स जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। जो न केवल आत्मविश्वास को कम करते हैं बल्कि खूबसूरती पर भी दाग लगाते हैं। ऐसे में लोग महंगे स्किन ट्रीटमेंट्स की ओर भागते हैं, जिनका असर कभी-कभी स्थायी नहीं होता या साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं। अगर आप भी चेहरे के इन गड्ढों से परेशान हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ प्राकृतिक घरेलू उपाय ऐसे हैं जो आपकी स्किन को बिना किसी नुकसान के रिपेयर कर सकते हैं और चेहरे को दोबारा निखार सकते हैं।

बेसन, गुलाब जल और नींबू

ये नुस्खा आप तब इस्तेमाल कर सकते हैं, जब आपको अंडे से इस्तेमाल से दिक्कत हो। इसे तैयार करने के लिए एक चम्मच बेसन में कुछ बूंदे नींबू के रस और गुलाबजल की डालें। तीनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद इसे चेहरे पर अप्लाई करें। अगर आप हफ्ते में दो बार इस पैक का इस्तेमाल करेंगे तो ये डेड स्किन हटाता है और स्कार्स को हल्का करता है। अगर आपकी सेंसिटिव स्किन है, तो आपको गुलाब जल में नींबू का रस मिलाकर लगाने से बचना चाहिए। नींबू का रस सेंसिटिव स्किन को इरिटेट कर सकता है। इससे त्वचा पर जलन और खुजली हो सकती है। अगर धूप में जाने पर आपकी स्किन लाल होने लगती है, तो भी नींबू और गुलाब जल को मिक्स करके नहीं लगाना चाहिए। अगर आप भी गुलाब जल में नींबू मिलाकर चेहरे पर लगाना चाहते हैं, तो एक बार पहले पैच टेस्ट जरूर करें। इससे आपको पता चल जाएगा कि आपकी स्किन नींबू के प्रति एलर्जिक है या नहीं।

हंसना मना है

पोता- दादी आपने कौन-कौन से देश घूमे हैं? दादी- अपना पूरा हिंदुस्तान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उजेबिस्तान, पोता- अब कौन सा घूमोगी, पीछे से छोटा पोता बोला.. कब्रिस्तान, दे चप्पल-दे चप्पल, कमर लाल कर दी..

एक युवती ने अपना मंगेतर सहेली को दिखाया तो वो बोली- 'लड़का तो ठीक-ठाक है, पर जब हंसता है तो इसके दांत बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते। 'युवती बोली- 'वैसे भी मैं शादी के बाद इसे हंसने का मौका ही कब दूंगी।'

मैडम दूध वाले से- छोरे पैंतीस साल का होने को आया, अब तो शादी करले! दूध वाला- नहीं नहीं! मैडम..क्यों? क्या हुआ? दूधवाला-मैं रोज सुबह पांच बजे उठ कर घरों में दूध देने जाता हूं, उस वक्त इन औरतों का ओरिजिनल चेहरा देख कर मेरी तो शादी करने कि हिम्मत ही नहीं होती।

प्लम्बर-सर, नल ठीक हो गया, लेबर चार्ज 800 रुपये.. इंजीनियर- अरे, 1 घंटे की इतनी फीस तो मेरी भी नहीं है! प्लम्बर- सर, जब मैं इंजीनियर था तो मेरी भी नहीं थी!

कहानी | बुद्धिमान बंदर और मगरमच्छ

एक जंगल में जानवर एक दूसरे के साथ बहुत प्यार से रहा करते थे। उस जंगल के बीच एक बहुत सुंदर और बड़ा तालाब था। उस तालाब में एक मगरमच्छ रहता था। तालाब के चारों ओर लगे फलों के पेड़ों पर बंदर रहता था। बंदर और मगरमच्छ एक दूसरे के बहुत अच्छे दोस्त थे। बंदर स्वादिष्ट फल खाता था और अपने दोस्त मगर को भी देता था। और मगर भी उसे अपनी पीठ पर बैठाकर पूरे तालाब में घुमाता था। बहुत दिनों के बाद एक बार मगर की पत्नी ने कहा कि बंदर तो हमेशा ही स्वादिष्ट फल खाता रहता है। जरा सोचो उसका कलेजा कितना स्वादिष्ट होगा। वह मगर से जिद करने लगी कि उसे बंदर का कलेजा खाना है। मगर ने उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी और वो मगर से रूठ गई। अब मगर को न चाहते हुए भी हां बोलना पड़ा। उसने कहा कि वो दूसरे दिन बंदर को अपनी गुफा में लेकर आ जाएगा, तब उसका कलेजा निकालकर खा लेना। इसके बाद मगर की पत्नी मान गई। हर दिन की तरह स्वादिष्ट फलों के साथ बंदर मगर का इंतजार करने लगा। कुछ ही देर में मगर भी आ गया और दोनों ने मिलकर फल खाए। मगरमच्छ बोला कि दोस्त आज तुम्हारी भाभी तुमसे मिलना चाहती है। चलो तालाब की दूसरी ओर मेरा घर है, आज वहां चलते हैं। बंदर झट से मान गया और उछलकर मगर की पीठ पर बैठ गया। मगर उसे लेकर अपनी गुफा की ओर बढ़ने लगा। जैसे ही दोनों तालाब के बीच पहुंचे, मगर ने कहा कि मित्र आज तुम्हारी भाभी की इच्छा है कि वो तुम्हारा कलेजा खाये। ऐसा कहकर उसने पूरी बात बताई। बात सुनकर बंदर कुछ सोचने लगा और बोला मित्र तुमने मुझे यह पहले क्यों नहीं बताया। मगर ने पूछा क्यों मित्र क्या हो गया। बंदर बोला कि मैं अपना कलेजा तो पेड़ पर ही छोड़ आ हूं। तुम मुझे वापस ले चलो तो मैं अपना कलेजा साथ में ले आऊंगा। मगर बंदर की बातों में आ गया और वापस किनारे पर आ गया। वो दोनों जैसे ही किनारे पर पहुंचे बंदर झट से पेड़ पर चढ़ गया और बोला कि मूर्ख तुझे पता नहीं कि कलेजा हमारे अंदर ही होता है। मैं हमेशा ही तुम्हारा भला सोचता रहा और तुम मुझे ही खाने चले थे। कैसी मित्रता है यह तुम्हारी। चले जाओ यहां से। मगर अपनी करनी पर बहुत शर्मिंदा हुआ और उसने बंदर से माफी मांगी, लेकिन अब बंदर उसकी बातों में नहीं आने वाला था।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। समय अनुकूल है।

वृषभ बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है।

सिंह किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

कन्या घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। धन प्राप्ति सुगम होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा।

तुला धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

वृश्चिक किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी।

मकर प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

कुम्भ दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

अक्षय खन्ना की परफार्मेंस की मुरीद हुईं अमीषा पटेल

अमीषा पटेल ने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें वह अक्षय खन्ना की एक्टिंग को जमकर सराहा रही हैं। फिल्म 'धुरंधर' में उन्होंने रहमत डकैत का किरदार निभाया है। हर कोई इस किरदार में अक्षय खन्ना के अभिनय को सराहा रहा है। अमीषा ने भी अक्षय के साथ फिल्म 'हमराज' में काम किया था, तो अपने को-एक्टर की तारीफ करने से वह भी नहीं चूकी हैं। अक्षय को बताया सीधा और बिना घमंड वाला इंसान अमीषा पटेल ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'अक्षय खन्ना तब भी ग्रेट थे और अब भी ग्रेट हैं। मैं उन्हें प्यार से अक्षु कहती हूं। वह सीधे-सादे और बिना घमंड से भरे इंसान हैं।' अमीषा आगे लिखती हैं, 'फिल्म हमराज के प्रमोशन के दौरान हम दोनों लंदन में थे। मेरा कजिन पेरिस से आया था, हमने उसके साथ डिनर किया था। आज वह यादें ताजा हो गईं। मुझे नहीं लगता है कि अक्षय को पता भी होगा कि उन्होंने इस साल अपनी परफॉर्मेंस से पूरे देश को हैरान कर दिया है।'

इस मैसेज को शेयर करने के साथ ही अमीषा ने अपनी और अक्षय की पुरानी फोटो भी शेयर की है। फिल्म 'धुरंधर' में अक्षय खन्ना के दमदार नेगेटिव किरदार को देखकर फैंस 'हमराज 2' की डिमांड करने लगे हैं। साल 2002 में फिल्म 'हमराज' रिलीज हुई, तब यह काफी चर्चा रही थी। इसमें अक्षय खन्ना ने ग्रे शेड कैरेक्टर निभाया था।

पांचवें दिन भी रही फिल्म धुरंधर की धुंआधार परफार्मेंस

एक्शन से लबरेज फिल्म धुरंधर इन दिनों दर्शकों के बीच चर्चा का विषय है। फिल्म दर्शकों को किस कदर पसंद आ रही है, इसकी कमाई के आंकड़े यह गवाही दे रहे हैं। आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह मल्टीस्टारर फिल्म देखने के बाद लोग इसे एक जरूर देखे जाने वाली फिल्म बता रहे हैं। शायद कलाकारों की अदाकारी और फिल्म की कहानी दोनों कमाल हैं। साथ ही, यह कमाल का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन भी कर रही है। जानिए पांचवें दिन फिल्म ने कितने कमाए...

150 करोड़ के क्लब में हुई इंट्री

इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर 28 करोड़ रुपये का कलेक्शन करके शुरुआत की थी। यह रणवीर सिंह के करियर की बेस्ट ओपनर साबित हुई। वहीं, इस साल रिलीज हुई फिल्मों में ओपनिंग डे कलेक्शन के मामले में इसने तीसरा नंबर सुरक्षित किया। दूसरे दिन शनिवार को फिल्म ने 32 करोड़ और तीसरे दिन रविवार को 43 करोड़ रुपये का कलेक्शन जुटाया। कल सोमवार को मंडे टेस्ट में भी धुरंधर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 23.25 करोड़ रुपये कमाए।

मंगलवार को पांचवें दिन भी फिल्म फर्राटा भरी पांचवें दिन इस फिल्म ने 26.50 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। फिल्म का टोटल बॉक्स ऑफिस 152.75 करोड़ रुपये हो चुका है। रिलीज के पांचवें दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की एंट्री 150 करोड़ क्लब में हो गई है।

फिल्म धुरंधर का बजट मीडिया रिपोर्ट्स में 280 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। बजट की तुलना में फिल्म फिलहाल शानदार कमाई कर रही है। फिल्म धुरंधर के जरिए एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने डेब्यू किया है। सभी कलाकारों ने कमाल का अभिनय किया है, मगर अक्षय खन्ना महफिल लूट ले गए हैं। इस फिल्म में सबसे ज्यादा चर्चा उन्हीं के अभिनय की हो रही है।

फिल्म धुरंधर सच्ची घटना से प्रेरित है। फिल्म धुरंधर सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने चार दिनों में ही 193 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर के आगे कोई मजबूत फिल्म नहीं है, लिहाजा आने वाले दिनों में भी इसका शानदार प्रदर्शन जारी रहने वाला है।

बॉलीवुड | **नाराजगी**

भाग्यलक्ष्मी ने केरल फिल्म बॉडी से दिया इस्तीफा

डबिंग आर्टिस्ट और अभिनेत्री भाग्यलक्ष्मी ने केरल फिल्म कर्मचारी महासंघ से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अभिनेता दिलीप पर हमले के मामले में आए फैसले के बाद उन्हें बहाल करने के संगठन के कदम के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उनका इस्तीफा केरल फिल्म जगत में बढ़ती बहस के बीच आया है, क्योंकि कई यूनियन ने संकेत दिया है कि अगर दिलीप दोबारा आवेदन करते हैं तो वे संगठन में वापस आ सकते हैं। मामले से निपटने के तरीके पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए भाग्यलक्ष्मी ने कहा कि अभी सिर्फ प्रिंसिपल सेशन कोर्ट का फैसला आया है। अभी सर्वोच्च न्यायालय बाकी है। कई बातें अभी साबित होनी हैं। यह एक ऐसा मामला है, जिसमें 21 गवाह मुकर गए। वे कैसे मुकर गए? यह उनके पैसे और उनके प्रभाव का नतीजा था। मैंने निर्देशकों और निर्माताओं को यह कहते सुना है कि वह इस मामले से आसानी से बच निकलेंगे। भाग्यलक्ष्मी ने जोर देकर कहा कि उनका फैसला विरोध पर आधारित है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में टेक्नीशियन का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख संगठन सत्र न्यायालय के फैसले को अंतिम मान रहा है। मेरा मानना है कि केवल सर्वोच्च न्यायालय ही दिलीप को निर्णायक रूप से निर्दोष घोषित कर सकता है। भाग्यलक्ष्मी ने उस जल्दबाजी की आलोचना की जिसके साथ उद्योग निकाय अभिनेता की वापसी की तैयारी कर रहे थे। भाग्यलक्ष्मी का इस्तीफा FEFKA के महासचिव बी उन्नीकृष्णन के हालिया बयानों के बाद आया है। जिन बयानों में उन्होंने कहा था कि दिलीप को तुरंत निष्कासित कर दिया गया था और अगर उन्होंने अनुरोध किया तो उन्हें उतनी ही जल्दी बहाल कर दिया जाएगा।

साध्वी बनी ब्राजील की पूर्व ब्यूटी क्वीन, भगवान को मानती है पति

एक ओर जहां दुनियाभर में लोग ग्लैमर, प्रसिद्धि और धन-दौलत के पीछे भाग रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग ऐसे भी हैं जो इन सबसे दूर एक आध्यात्मिक और सादगी भरा जीवन चुनते हैं। ऐसी ही एक असाधारण और प्रेरणादायक कहानी सामने आई है ब्राजील से, जहां एक युवा ब्यूटी क्वीन और सफल मॉडल ने रैंप की चकाचौंध भरी दुनिया छोड़कर सादे सफेद वस्त्र पहन लिए और साध्वी बनकर अपना जीवन ईश्वर की सेवा में समर्पित कर दिया। इस हसीना का नाम कामिला रोड्रिग्स कार्डोसो है, जो अपने भगवान जीसस क्राइस्ट को ही अपना पति मानती है। उनके लिए ही सजती-संवरती है। इस पूर्व सुंदरी का कहना है कि वह आज भी मेकअप करती है और अपना ख्याल रखती है, लेकिन अब यह घमंड या दिखावे के लिए नहीं है। वह कहती हैं कि वह जीसस को अपना सबसे बेहतर रूप अर्पित करना चाहती हैं। 21 वर्षीय कामिला तब सुर्खियों में आईं, जब धार्मिक वस्तुएं बेचते हुए उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। स्थानीय लोगों ने उन्हें 'मॉडल नन' कहा और वो आस्था, त्याग और आध्यात्मिक परिवर्तन का एक उदाहरण बन गईं। ब्राजील के रियो डी जनेरियो के उत्तर में मिनास गेरैस में जन्मीं कामिला ने 18 की उम्र में ही कैटवॉक छोड़ दिया था। उन्होंने मिस कॉन्टिनेंट टीन सोल नासिएंट का ताज जीता और उनका मॉडलिंग करियर काफी बेहतर था। उन्होंने कई ब्यूटी पेजेंट्स में भाग लिया था और उन्हें शो बिजनेस में जाने के लिए ऑफर भी मिले थे। लेकिन उन्होंने अपने करियर, घर और अपनी पिछली पहचान को त्याग दिया और सैनक्टा देई जेनेट्रिक्स मंडली में शामिल हो गईं, जो कैथोलिक चर्च का एक स्वतंत्र समुदाय है। कामिला को अब सिस्टर ईवा के नाम से जाना जाता है। सोशल मीडिया पर भी लोग इन्हें बेहद पसंद करते हैं, जहां इनके लाखों फॉलोवर्स हैं। कामिला ने अपनी मंडली के इंस्टाग्राम फॉलोअर्स को भी 341,000 तक बढ़ाने में मदद की है।

अजब-गजब | **अपनी मौत देख लेता है ये विशालकाय जीव!**

पाताल में आखिरी सांस लेता है यह जीव, मरने के बाद अन्य जन्तुओं के लिए अमृत बन जाती है बॉडी!

समुद्र की गहराइयों में कई राज दफन होते हैं। इनमें से कुछ राज तो ऐसे होते हैं, जिसे जानकर लोगों को हैरानी भी होती है और यकीन भी नहीं होता है। इसमें व्हेल मछली से जुड़े कुछ ऐसे अमेजिंग फैक्ट्स भी हैं, जो आपको भी आश्चर्यचकित कर देंगे। व्हेल को दुनिया के सबसे विशाल जानवरों में से एक माना जाता है। ऐसे में ये सोचना वाकई अद्भुत है कि इतनी बड़ी मछली जब मरती है तो उसकी बॉडी का क्या होता है?

जब कोई व्हेल मरने के करीब पहुंचती है, तो वो अपनी आखिरी सांसें लेने के लिए खुद सबसे गहरे पाताल की ओर चल पड़ती है। वैज्ञानिक इसे व्हेल फॉल कहते हैं। जब एक व्हेल की बॉडी समुद्र तल की गहराई में मरती है तो उसकी बॉडी सैकड़ों-हजारों नए जीवों के लिए जीवनदायिनी बन जाती है। मौत यहां अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत होती है। व्हेल की मौत का ऐसा रहस्य है, जिसे जानकर आपके भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

व्हेल को पहले से पता चल जाता है कि उसका अंतिम समय आ गया है। बीमार या बूढ़ी व्हेल सतह से दूर, 1000-3000 मीटर गहरे

अंधेरे में चली जाती है, जहां सूरज की किरण तक नहीं पहुंचती। वहां उसकी सांसें रुकती हैं और 30 से 90 टन की लाश धीरे-धीरे समुद्र तल पर गिरने लगती है। जैसे ही लाश नीचे गिरती है, शार्क, बड़ी मछलियां और समुद्री पक्षी उसका नरम मांस-चर्बी चट कर जाते हैं। एक ब्लू व्हेल की लाश में 50-60 टन मांस होता है, जो सैकड़ों शार्क को महीनों खिलाता है। अब बारी आती है कीड़ों-मकोड़ों की। समुद्री केंचुए, झींगा-मछली जैसे छोटे जीव हड्डियों पर उगने वाले बैक्टीरिया खाते हैं। ये बैक्टीरिया सल्फर से ऊर्जा बनाते हैं, ठीक वैसे ही जैसे धरती पर पेड़ सूरज की रोशनी से।

सल्फोफिलिक स्टेज (10-50 साल तक)

अब सिर्फ हड्डियां बचती है। इनमें मौजूद फैट को खास तरह के बैक्टीरिया और ट्यूब वर्म्स चूसते हैं। एक हड्डी पर 40-50 प्रजातियों के हजारों जीव पलते हैं। वैज्ञानिकों ने एक जगह 45,000 से ज्यादा कीड़े गिने हैं।

रीफ स्टेज (100 साल तक)

आखिर में हड्डियां भी घुल जाती हैं, लेकिन वहां कार्बोनेट रीफ बन जाता है, जैसे मूंगे की चट्टाने। ये छोटी मछलियों और नए जीवों को घर देती हैं। नेशनल जियोग्राफिक और स्मिथसोनियन के शोधकर्ताओं के अनुसार, एक व्हेल फॉल गहरे समुद्र में उतना ही महत्वपूर्ण है जितना जंगल में किसी बड़े पेड़ का गिरना। गहरे समुद्र में खाना बहुत कम होता है, इसलिए एक व्हेल की लाश 50-100 साल तक हजारों प्रजातियों को पालती है। अब तक 50 से ज्यादा नई प्रजातियां सिर्फ व्हेल फॉल पर ही मिली हैं। सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि कई व्हेल जानबूझकर गहरे पानी में मरने जाती हैं ताकि उनकी लाश शार्क या ओरका का शिकार ना बने और ज्यादा से ज्यादा जीवों को फायदा पहुंच सके।

मोदी व भाजपा पूर्व पीएम नेहरू का हर समय अपमान करते हैं : खरगे

» बोले- 'वंदेमातरम्' के पहले दो छंदों को अपनाने का निर्णय महात्मा गांधी, टैगोर और अन्य नेताओं की सहमति से लिया गया

» नागरिकता तय करने का अधिकार आयोग को नहीं : दयानिधि मारन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्य सभा व लोक सभा में वंदे मातरम् व एसआईआर व चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष व विपक्ष में जमकर बहस हुई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत भाजपा नेताओं पर जवाहरलाल नेहरू का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि 'वंदे मातरम्' के पहले दो छंदों को राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाने का निर्णय केवल नेहरू का नहीं था, बल्कि यह निर्णय महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर और अन्य नेताओं की सहमति से लिया गया था।

'वंदे मातरम्' की रचना के 150 साल पूरा होने पर उच्च सदन में हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस पर बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा लिखित इस गीत को 'बांटने' का आरोप लगाया, लेकिन कांग्रेस नेता हमेशा से 'वंदे मातरम्' का उद्घोष करते रहे हैं। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए द्रमुक सांसद दयानिधि मारन ने आरोप लगाया कि प्रत्येक भारतीय को मतदान का अधिकार है और नागरिकता तय करने का अधिकार आयोग को नहीं है।

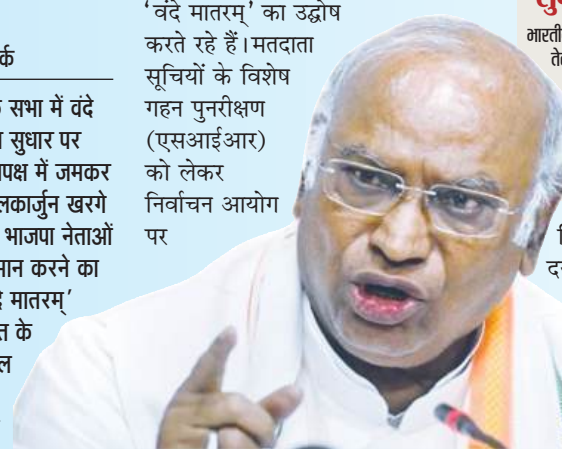

बांग्लाभाषी लोगों को रोहिंग्या करार देकर देश से निकाला जा रहा है : कल्याण बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बंगालियों से नफरत करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि बांग्लाभाषी लोगों को रोहिंग्या करार देकर देश से निकाला जा रहा है, जबकि गृह मंत्रालय के निर्देश के तहत मिजोरम में रोहिंग्याओं को प्रवेश दिया जा रहा है। बनर्जी ने लोकसभा में चुनाव सुधार पर चर्चा में भाग लेते हुए आरोप लगाया कि गृह मंत्रालय ने मिजोरम सरकार को बाहर से आने वाले लोगों को प्रवेश की अनुमति दी है।

कांग्रेस निर्वाचन आयोग में सुधार के लिए सुझाव दे: तेदेपा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख सहयोगी दलों तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) ने कांग्रेस पर निर्वाचन आयोग की उपलब्धियों को स्वीकारने और उसमें सुधार के लिए सुझाव देने के बजाय आयोग और उसकी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद पर निशाना साधने का आरोप लगाया।

वंदेमातरम् के दो टुकड़े न किए जाते तो देश का विभाजन भी नहीं होता : अमित शाह

राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि यदि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के दो टुकड़े न किए जाते तो देश का विभाजन भी नहीं होता। शाह ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष होने पर उच्च सदन में चर्चा में भाग लेते हुए उम्मीद जतायी कि इस चर्चा के माध्यम से देश के बच्चे, युवा और आने वाली पीढ़ी यह बात समझ सकेंगे कि वंदे मातरम् का देश को स्वतंत्रता दिलाने में क्या योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में इस विषय पर कुछ लोगों ने यह प्रश्न उठाया था कि आज वंदे मातरम् पर चर्चा क्यों होनी चाहिए।

दिन में सपने न देखे हुमायूं कबीर : अरूप चक्रवती

» पूर्व टीएमसी नेता का दावा- पश्चिम बंगाल विस चुनाव 2026 में बनेंगे किंगमेकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। इससे पहले राजनीतिक पार्टियों ने चुनावी रण में अपनी-अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए तैयारी तेज कर दी है। हालांकि इन सबके बीच सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और उसके निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के बीच विवाद बढ़ता ही जा रहा है। जहां एक बार फिर हुमायूं कबीर ने अपनी एक नई पार्टी बनाने की बात पर जोर देते हुए दावा किया कि 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद वह 'किंगमेकर' बनेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी बनाई जाने वाली नई राजनीतिक पार्टी के बिना कोई भी सरकार नहीं बन सकती हालांकि दूसरी ओर टीएमसी ने भी हुमायूं कबीर के बयान पर पलटवार किया है।

पार्टी के राज्य महासचिव अरूप चक्रवर्ती ने कहा कि वह केवल सपना देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हुमायूं कबीर दिन-दहाड़े सपना देख रहे हैं। पहले अपनी सुरक्षा जमा बचाने की कोशिश करें, फिर सरकार बनाने की बात करें। ऐसे बेतुके दावे सिर्फ उनकी राजनीतिक हताशा दिखाते हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान हुमायूं कबीर ने कहा कि मैं चुनावों के बाद किंगमेकर बनूंगा। कोई भी मेरी पार्टी का समर्थन लिए बिना सरकार नहीं बना सकता। कबीर ने यह भी बताया कि उनकी नई पार्टी की औपचारिक घोषणा 22 दिसंबर को होगी। उन्होंने कहा कि वे 135 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और उनकी पार्टी इतनी सीटें जीतेगी कि जो भी मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेगा, उसे उनकी पार्टी के विधायकों का समर्थन लेना पड़ेगा।

टी20 में अपने न्यूनतम स्कोर पर द. अफ्रीका ऑलआउट

» भारत ने 101 रन से हराकर दर्ज की तीसरी बड़ी जीत

» टी20 में 100+ छक्के लगाने वाले चौथे भारतीय बने हार्दिक पांड्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने दक्षिण अफ्रीका को कटक में खेले गए पहले टी20 मैच में 101 रनों के बड़े अंतर से हराया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हार्दिक पांड्या के नाबाद अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में अफ्रीका की पूरी टीम 12.3 ओवर में 74 रन पर ढेर हो गई। भारत ने इस तरह बड़ी जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

इस तरह दक्षिण अफ्रीका टी20 में अपने न्यूनतम स्कोर पर ढेर हो गया। इससे पहले उसका न्यूनतम स्कोर 87 रन था जो 2022 में उसने भारत के खिलाफ ही बनाया था। दक्षिण अफ्रीका को छठी बार टी20 में 100+ रनों से हार का सामना करना पड़ा है जिसमें से तीन बार उसे भारत के खिलाफ 100+ रनों से हार मिली है। भारत की यह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रनों के लिहाज से तीसरी बड़ी जीत है। वहीं हार्दिक पांड्या ने अफ्रीका के खिलाफ नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। इसके साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 छक्के पूरे कर लिए और वह रोहित शर्मा और विराट कोहली की बराबरी पर पहुंच गए।

टी20 में 100 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने बुमराह

कटक। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अफ्रीका के खिलाफ मैच में टी20 में 100 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। बुमराह ने इस मामले में अर्शदीप सिंह की बराबरी कर ली है। भारत के लिए सबसे छोटे प्रारूप में अब तक सिर्फ बुमराह और अर्शदीप ने ही 100+ विकेट लिए हैं। तीसरे स्थान पर हार्दिक पांड्या हैं जिन्होंने 99 विकेट लिए हैं। बुमराह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूप में 100+ विकेट लेने वाले पहले भारतीय और ओवरऑल पांचवें गेंदबाज हैं। उनसे पहले लसिथ मलिंगा, टिम साउथी, शाकिब अल हसन और शाहीन अफरीदी ऐसा कर चुके हैं। बुमराह ने टेस्ट में अब तक 234 विकेट लिए हैं, जबकि वनडे में उनके नाम 149 विकेट हैं।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम घोषित

नई दिल्ली। महिला चयन समिति ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का एलान कर दिया है। भारत और श्रीलंका की महिला टीमों के बीच यह सीरीज 21 से 30 दिसंबर तक खेली जाएगी। ये सीरीज अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए अहम है। गुनालन कमालिनी और वैष्णवी शर्मा को पहली बार भारतीय महिला टी20 टीम में जगह मिली है। कमालिनी और वैष्णवी राधा यादव और उमा छेत्री के स्थान पर टीम में शामिल की गई हैं। टीम की कमान हरमनप्रीत कौर संभालेंगी और स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। शेफाली वर्मा भी टीम का हिस्सा हैं जिन्होंने विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से ठीक पहले प्रतिका रावल की जगह ली थी। भारत और श्रीलंका के बीच पांच मैचों की ये सीरीज महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 सीजन से ठीक पहले आयोजित की गई है।

गलत बिजली बिलों से जनता की उड़ी नींद

» विभागीय लापरवाही पर उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में बिजली बिलों की गड़बड़ियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला माध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के उपभोक्ता के विद्युत खाता संख्या 0916237526 व बिल संख्या 091279420831 लखनऊ के सेक्टर 14 इंदिरा नगर पावर हाउस का है, के उपभेक्ता संध्या कुशवाहा का है, जिन्हें हर माह गलत बिल जारी होने से भारी आर्थिक व मानसिक तनाव झेलना पड़ रहा है। इस माह विभाग ने उनके मीटर की वास्तविक रीडिंग 7203 होने के बावजूद बिल में 7062 यूनिट ही दर्ज कर दी।

इतना ही नहीं, विभाग ने प्रोविजनल आधार पर 398 यूनिट अतिरिक्त जोड़कर एक ऐसा बिल बनाया, जो उपभोक्ता की वास्तविक खपत से काफी अधिक है। नतीजतन उपभोक्ता पर 11,678 का भारी-भरकम बिल थोप दिया गया है।

शिकायत के बाद भी स्थिति जस की तस

उपभोक्ता का कहना है कि यह गड़बड़ी कोई पहली बार नहीं हुई है। ऐसा लगातार कई बार हो चुका है। उपभोक्ता बताते हैं पीछे कई महीनों में भी गलत रीडिंग, अतिरिक्त यूनिट और फर्जी बकाया जोड़कर बिल भेजा गया था। उन्होंने इसकी शिकायत कर बिल मीटर की रीडिंग के हिसाब से सुधरवाया भी, लेकिन उपभोक्ता के अनुसार केवल एक माह बाद ही विभाग का वही पुराना रवैया फिर से शुरू हो गया। इससे साफ है कि समस्या केवल तकनीकी नहीं बल्कि सिस्टम की लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना कार्यप्रणाली से जुड़ी है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि गलत बिलिंग की समस्या पूरे क्षेत्र में आम हो चुकी है। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को अक्सर गलत रीडिंग और प्रोविजनल यूनिट के नाम पर हजारों रूपये का बोझ झेलना पड़ता है। उपभोक्ता संगठन बताते हैं कि विभाग द्वारा समय पर रीडिंग न लेना और मशीन के डेटा को बिना सत्यापन सीधे बिल में डाल देना उपभोक्ताओं पर अन्याय है। भुगतान न करने पर कनेक्शन काटने की धमकी मिलने से जनता में भय और आक्रोश दोनों बढ़ रहा है।

नगर निगम में भ्रष्टाचार बन गया व्यवहार

» ईमानदार नगर आयुक्त को ठेंगा दिखा रहे बाबू

» लेखा विभाग में वर्षों से जमे बाबुओं और आरआर के सहायक अभियंता पर उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ में जहाँ एक ओर नगर आयुक्त को ईमानदारी और पारदर्शिता के लिए जाना जाता है, वहीं दूसरी ओर उनके ठीक बगल में बैठा लेखा विभाग भ्रष्टाचार की दलदल में दिन-ब-दिन और गहराता जा रहा है। हालात ये हैं कि वर्षों से जमे कुछ बाबू और अधिकारी न सिर्फ फाइलों को पकड़कर बैठे हैं, बल्कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति को भी धता बता रहे हैं।

इसी खेल ने विभाग में भ्रष्टाचार की धाराओं को इतना चौड़ा कर दिया है कि अब कर्मचारी ही नहीं, ठेकेदार और बाहरी एजेंसियाँ भी यह मानती हैं कि लेखा विभाग की फाइलें 'खुलती' नहीं, 'खोली' जाती हैं। सूत्रों के अनुसार लेखा विभाग में कई बाबुओं की पकड़ इतनी मजबूत है कि वे एक ही सीट पर 8 से 10 साल से जमे हुए हैं। कुछ तो ऐसे हैं जो तबादले के बाद भी घूम-फिरकर वापस लेखा में आ जाते हैंताकि न सवाल उठें और न कमाई रुके। नगर निगम में हाल ही में कई निरीक्षकों, राजस्व कर्मियों और जोनल अधिकारियों तक के तबादले कर दिए गए, लेकिन लेखा विभाग पर नगर आयुक्त की दृष्टि अभी तक नहीं पड़ी। इससे नगर निगम में बड़ा सवाल खड़ा हो गया हैक्या लेखा विभाग पर किसी अदृश्य शक्ति की पकड़ है? क्या वर्षों से जमे बाबुओं को किसी का संरक्षण प्राप्त है? नगर निगम में एक और चौंकाने वाला खेल चल रहा है।

मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति को चुनौती

सालों से जमे बाबू, विभाग नहीं छोड़ने वाले अधिकारी और नियमों को ताक पर रखकर की जा रही पोस्टिंग-ये सभी संकेत देते हैं कि नगर निगम के लेखा और आरआर विभागों में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। जो लोग शासन की नीति का पालन करवाने के लिए जिम्मेदार हैं, वही उस नीति को धता बता रहे हैं।

क्या आरआर विभाग का दुलारा है ईशान कुमार?

नगर निगम के अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि ईशान कुमार आरआर विभाग में कई बड़ी फाइलों को संभालते हैं और संभवतः यही वजह है कि उन्हें छोड़ने की किसी की मंशा नहीं है। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब शासन ने ट्रांसफर कर दिया, तो नगर निगम कार्यमुक्त क्यों नहीं कर रहा? क्या कोई सिफारिश काम आई? या फिर आरआर विभाग अपने पसंदीदा अभियंता को खोना नहीं चाहता?

इंडिगो मामले में केंद्र को कोर्ट की फटकार, पूछा-एयरलाइंस व्यवस्था में सरकार ने क्या किया?

» यात्रियों को मुआवजा देने के लिए क्या कदम उठाए गए?

» इंडिगो मामले से जुड़ी जनहित याचिका पर हुई सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिगो फ्लाइट संकट से प्रभावित यात्रियों को ग्राउंड सपोर्ट और रिफंड दिलाने की मांग से जुड़ी जनहित याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। इस दौरान हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को करारी फटकार लगाई।

अदालत ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों बनी और इसके लिए जिम्मेदार कौन है। कोर्ट ने कहा कि ये यात्रियों की समस्या के साथ अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि लोगों को मुआवजा देने के लिए कोई कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए एएसजी चेतन शर्मा ने कहा कि सरकार ने किराया पर कैपिंग की है और इसे सख्ती से लागू किया गया है। कोर्ट ने कहा ये पांच दिन बाद किया गया और जो टिकट 5 हजार में उपलब्ध थी वो 30 से 35 हजार की हो गई।

कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर कोई आपात स्थिति थी तो दूसरी एयरलाइंस को इसका फायदा उठाने की अनुमति क्यों दी गई। मामले में आर्डर डिक्टेट करते हुए कोर्ट ने कहा कि उक्त व्यवधानों के कारण, जो आज भी जारी है, यात्रियों को विमान में चढ़ने से वंचित कर दिया गया है और वे देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। कोर्ट ने कहा कि यह बताया गया है कि एयरलाइन का स्टाफ इन यात्रियों और उनकी चिंताओं पर उचित तरीके से ध्यान नहीं दे रहा है, जो न केवल विभिन्न वैधानिक आवश्यकताओं के संदर्भ में उनसे अपेक्षित है, बल्कि किसी भी सभ्य समाज में अपेक्षित है।

सरकार ने उठाये गए कदम के संबंध में कोर्ट को दस्तावेज पेश किए

एएसजी चेतन शर्मा ने इस संबंध में उठाये गए कदम के संबंध में कोर्ट को दस्तावेज पेश किए। यह भी कहा कि एकल पीठ ने इस संबंध में एयरलाइन को एक नवंबर तक का समय दिया था, लेकिन उसकी तरफ से कोई कदम नहीं उठाया गया। यह भी कहा कि इसका मंत्रालय से कोई लेना देना नहीं है। कोर्ट में पूछा ऐसी स्थिति न आये इसके लिए केंद्र सरकार ने क्या किया? एएसजी ने कहा कि इस संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था और एयरलाइंस ने मांफी मांगी थी। यह भी कहा कि एफटीटीएल योजना 2024 से लंबित है और बार बार इसकी समय सीमा बढ़ाई गई। कोर्ट ने पूछा अगर वो ऐसा करने में नाकाम रहे तो सरकार ने क्या किया?

चुनाव आयोग बना भाजपा का वोट चोरी करने का हथियार: राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष ने कहा- आइडिया ऑफ इंडिया पर बार-बार चोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निर्वाचन आयोग को ''वोट चोरी करने'' का हथियार बना रही है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारत की जनता ये तीन बहुत ज़रूरी और सीधे सवाल पूछ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जवाब एक ही है कि निर्वाचन आयोग को वोट चोरी करने का औज़ार बनाया जा रहा है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी 'वोट चोरी' के कृत्य को अंजाम देकर 'आइडिया ऑफ इंडिया' (भारत की अवधारणा) नष्ट कर रही है। उन्होंने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान 2023 के निर्वाचन कानून का उल्लेख करते हुए चेतावनी भरे लहजे में कहा था कि कांग्रेस की सरकार बनने पर इस कानून में ''पूर्वव्यापी प्रभाव'' से संशोधन किया जाएगा तथा चुनाव आयुक्तों को कठघरे में लिया जाएगा। उनका यह भी कहना था कि 2023 के इस कानून को बदलने की जरूरत है क्योंकि यह निर्वाचन आयुक्तों को ''यह ताकत देता है कि वे जो चाहें करें''। उन्होंने कहा था कि इसकी चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर रखा गया है। 'मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा-शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023' के तहत तीन सदस्यीय चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं।

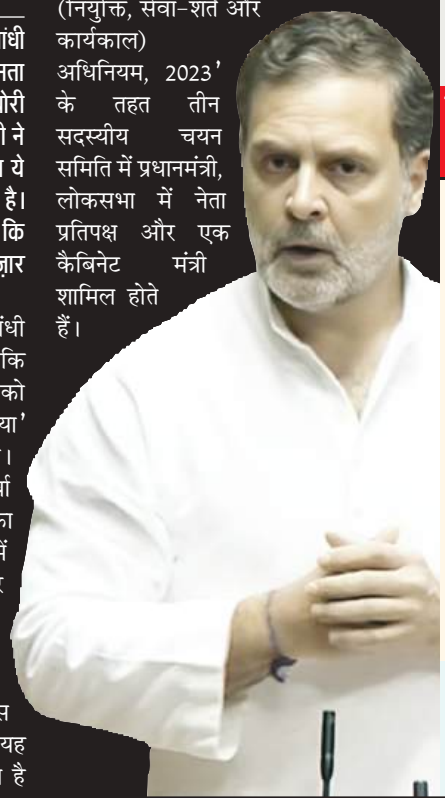

कांग्रेस सांसद की जर्मनी यात्रा को भाजपा ने बताया भारत बदनामी टूर

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आगामी जर्मनी यात्रा ने राजनीतिक बवाल मचा दिया है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने इसे भारत बदनामी यात्रा बताया है और कांग्रेस नेता पर विदेशी मंचों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिए करने का आरोप लगाया है। शीतकालीन संसद का सत्र 19 दिसंबर तक चलेगा, ऐसे में पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी का विदेश यात्रा का फैसला एक बार फिर उनकी स्पष्ट प्राथमिकताओं को दर्शाता है। गांधी 17 दिसंबर को बर्लिन में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के एक बड़े कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहाँ वे यूरोप भर के आईओसी नेताओं से मिलेंगे।

विपक्ष के नेता का मतलब पर्यटन का नेता होता है : पूनावाला

तीखा प्रहार करते हुए पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि विपक्ष का नेता का मतलब पर्यटन का नेता होता है। वह एक गैर-गंभीर राजनेता हैं। लोग काम के मूड में हैं, जबकि वह छुट्टी के मूड में हैं - हमेशा के लिए छुट्टी के मूड में। उन्होंने आगे कहा कि गांधी जी अक्सर विदेश चले जाते हैं, और याद दिलाया कि बिहार चुनावों के दौरान, जब दूसरे लोग चुनाव प्रचार कर रहे थे, तब वे जंगल सफारी पर थे। जर्मनी यात्रा के पीछे के इरादे के बारे में बात करते हुए पूनावाला ने कहा कि मुझे नहीं पता कि वे किसी कारण से क्यों जा रहे हैं, लेकिन हो सकता है कि वे भारत के खिलाफ जहर उगलना चाहते हों। यह भारत बदनामी ब्रिगेड और भारत बदनामी टूर है।

मतदाताओं के अधिकारों की हो रही लूट : भूपेश बघेल

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने बुधवार को दावा किया कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) का कामकाज पक्षपातपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लाखों वोटों की गिनती का मुद्दा उठाया है। बघेल ने कहा कि मतदाताओं के अधिकारों की लूट हो रही है। चुनाव आयोग का कामकाज निष्पक्ष नहीं है, और कई उदाहरणों से यह साबित हो चुका है। पूरा देश इसके खिलाफ खड़ा है, और राहुल गांधी ने लोकसभा में यह मुद्दा उठाया है। लोकसभा में चुनाव सुधारों पर बहस के बीच, एसपी के सांसद राम गोपाल यादव ने बुधवार को कहा कि चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास में गड़बड़ी करने वाला असली दोषी जिला स्तर पर है।

■ आईओसी ऑस्ट्रिया के अध्यक्ष ने कहा-राहुल गांधी का स्वागत करते हुए हम सम्मानित महसूस कर रहे... आईओसी ऑस्ट्रिया के अध्यक्ष औसाफ खान ने कहा, लोकसभा में विपक्ष के नेता और संसद सदस्य राहुल गांधी जी का स्वागत करते हुए हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो 17 दिसंबर, 2025 को बर्लिन में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करेंगे।

गोवा अग्निकांड कोर्ट पहुंचे आरोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रोमियो लेन स्थित बिर्च रेस्तरां के मालिक लूथरा बंधुओं ने अग्रिम जमानत याचिका दायर की है और उनकी कानूनी टीम के एक वकील ने पुष्टि की है कि सत्र न्यायालय में आज इस मामले की सुनवाई होने की संभावना है। इस बीच, कई रिपोर्टों में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के हवाले से कहा गया है कि अरपोरा नाइटक्लब चलाने वाले इन बंधुओं के स्वामित्व वाली एक बीच शैक को ध्वस्त किया जाना तय है। अरपोरा नाइटक्लब में पिछले सप्ताह भीषण आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि सरकारी जमीन पर कथित तौर पर निर्मित रेस्तरां को अधिकारियों द्वारा सील किए जाने के बाद वागाटोर स्थित रोमियो लेन को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया जाएगा। बर्च बाय रोमियो लेन में हुई भीषण आग की घटना की जांच जारी है। पुलिस की लापरवाही के आरोपों पर गोवा की डीआईजी वर्षा शर्मा ने कहा, हमने सीबीआई और इंटरपोल के साथ समन्वय किया है। ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 7 दिसंबर को भीषण आग लगने के कुछ ही घंटों के भीतर सौरभ और गौरव लूथरा दिल्ली से थाईलैंड के फुकेत के लिए उड़ान भर चुके थे। इंटरपोल ने दोनों भाइयों के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है ताकि उन्हें ढूंढा जा सके और प्रत्यर्पण की कार्यवाही लंबित रहने तक उन्हें अस्थायी रूप से हिरासत में रखा जा सके।

दिल्ली में कई स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, सर्च ऑपरेशन जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर बुधवार को कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। लक्ष्मी नगर स्थित एक पब्लिक स्कूल को फोन कॉल पर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। वहीं, धमकी की सूचना पर पुलिस, दमकल और एजेंसियां समेत कई टीमें मौके पहुंचीं और जांच शुरू कर दी। वहीं, स्कूलों ने तुरंत पैरेंट्स को एक नोटिस जारी किया कि वे सावधानी के तौर पर अपने स्टूडेंट्स को ले जाएं। नोटिस में स्टूडेंट्स और पैरेंट्स में पैनिक पैदा किए बिना स्थिति पर करीब से नजर रखने और उसे मैनेज करने के लिए स्टूडेंट्स को धीरे-धीरे हटाने की बात कही गई।

द इंडियन स्कूल की तरफ से जारी नोटिस में लिखा गया, प्रिय माता-पिता, स्कूल को ई-मेल से बम की धमकी मिली है। नई दिल्ली के एह्लकॉन इंटरनेशनल स्कूल को भी बम की धमकी मिली। स्कूल ने भी पैरेंट्स को ऐसा ही नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें स्टूडेंट्स को सुरक्षित और समय पर पिकअप के लिए वैन ड्राइवरों से कोऑर्डिनेट करने की सलाह दी गई।

दिल्ली फायर सर्विसेजके एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार सुबह पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर में एक प्राइवेट स्कूल में बम की धमकी वाली कॉल आई, जिसके बाद तुरंत इमरजेंसी में कार्रवाई की गई और स्कूल को खाली कराया गया। धमकी वाली कॉल सुबह करीब 10.40 बजे मिली। कई फायर टेंडर, बमडिस्पोजलस्क्वॉड, डॉगस्क्वॉड और पुलिस टीमें मौके पर भेजी गईं।

सूरत की टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग

» फायर ब्रिगेड की 15 से ज्यादा गाड़ियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात के सूरत में टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग लगी है। जानकारी के अनुसार, शहर के परवत पाटिया इलाके की राज टेक्सटाइल मार्केट में आग लगने की घटना हुई है। आग को बुझाने के लिए मौके पर 15 से अधिक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौजूद हैं।

सूरत के चीफ फायर ऑफिसर बसंत पारीक ने बताया कि करीब 20 से 22 फायर टेंडर पहुंचे। आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है और कूलिंग का काम भी चल रहा है। वेयरहाउस में घुसना मुमकिन नहीं है और अंदर बहुत सारा सामान है। कूलिंग का काम चल रहा है। इसमें थोड़ा समय लगेगा। करीब 100 से 125 फायर ऑफिसर और कर्मचारी लगे हुए हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।